PAPER TITLE: हिन्दी साहित्य सिद्धांत

PAPER CODE: MIN-HIN-3.2

PAPER CREDIT: 4 (व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 60 + IA: 40)

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description): यह पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य के दो प्रमुख स्तंभों—काव्यशास्त्र और आलोचना—की मूल अवधारणाओं, सिद्धांतों और समकालीन विमर्शों पर केंद्रित है। इसमें रस-अलंकार की परंपरागत व्याख्याओं के साथ-साथ हिन्दी आलोचना के ऐतिहासिक विकास और उत्तर आधुनिक विमर्शों को समाहित किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को साहित्यिक पाठों के विश्लेषण, आलोचना लेखन और सिद्धांतों की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है।

शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- विद्यार्थियों को काव्य की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना।
- रस और अलंकार सिद्धांतों की शास्त्रीय समझ विकसित करना।
- हिन्दी आलोचना के विकासक्रम और प्रमुख आलोचकों की दृष्टि से अवगत कराना।
- समकालीन विमर्शों (दलित, स्त्री, आदिवासी) की आलोचना दृष्टि को समझाना।
- आलोचना लेखन की क्षमता और पाठ विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना।

शिक्षण प्रतिफल (Learning Outcomes)

पाठ्यक्रम के अंत तक विद्यार्थी:

- काव्य के स्वरूप, प्रयोजन और लक्षणों की व्याख्या कर सकेंगे।
- रस और अलंकारों की अवधारणाओं को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
- हिन्दी आलोचना के ऐतिहासिक विकास और प्रमुख आलोचकों की दृष्टि को समझ सकेंगे।
- समकालीन विमर्शों के आलोचना पक्ष को विश्लेषित कर सकेंगे।
- साहित्यिक पाठों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे और आलोचना लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

Unit – I काव्य की मूल अवधारणाएँ

- काव्य का स्वरूप, काव्य-लक्षण
- काव्य-हेतु एवं काव्य-प्रयोजन

Unit – II रस और अलंकार सिद्धांत

- रस – रस की अवधारणा, रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण
- अलंकार – अलंकार की अवधारणा (परिभाषा एवं स्वरूप)
- प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, उपमा, रूपक, यमक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, श्लेष)

Unit – III आलोचना का परिचय

- आलोचना – व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

Unit – IV आलोचना दृष्टि और समकालीन विमर्श

- हिन्दी के प्रमुख आलोचक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, और रामविलास शर्मा: देन एवं आलोचना-दृष्टि
- उत्तर आधुनिकता और विमर्श आधारित आलोचना (दलित, स्त्री, आदिवासी)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ.भगीरथ मिश्र,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यालोचन - ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
3. भारतीय काव्य चिन्तन - शोभाकान्त मिश्र,अनुपम प्रकाशन,पटना।
4. रस सिद्धान्त का पुनर्विवेचन – गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. भारतीय काव्य शास्त्र का संक्षिप्त विवेचन - डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं शान्तिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भारतीय काव्य शास्त्र - प्रो.योगेन्द्रप्रताप सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी आलोचना का विकास – नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. चिंतामणि – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।
9. शुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।